बुद्ध काल या मौर्यपूर्व काल के जानकारी के पुरातात्विक स्त्रोत

डॉ. कमलेश कुमार

सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

- पुरातात्विक स्त्रोतों अर्थात खनन में प्राप्त वस्तुओं से भी इस काल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां मिली है.
- पुरातात्विक स्त्रोतों में NBPW (north black polished ware – चित्रित धूसर मृदभांड) एवं आहत सिक्के प्रमुख है|
- **आहत सिक्के**: आहत सिक्कों को धातु के चादरों को काट कर उनपर प्रतीकों का ठप्पा लगा कर बनाया जाता था.
- यह सांचे में नहीं ढाले गये होते थे.
- इन पर विभिन्न प्रतीक बने होते थे. जैसे सूर्य, चंद्र, पहाड़ी, वृक्ष, मानक आदि.
- प्रारंभ में इन सिक्कों का प्रचलन व्यापारियों द्वारा किया गया था, राज्यों द्वारा नहीं.
- राज्य एवं शासकों में नंद वंश प्रथम था जिसने सिक्का जारी किया.